කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම භාග පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2019
මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND 18224

අර්ථාවබෝධය හා ප්‍රකාශන ශක්‍යතාව

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව 05යි | කාලය පැය 03යි

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

01. (क) निम्नलिखित शीर्षकों में से **किसी एक** पर पंद्रह वाक्य हिंदी में लिखिए। (16 अंक)

(i) मेरी माँ

(ii) बकरी एक पालतू जानवर है

(iii) मेरा सबसे प्रिय विषय

अथवा

(ख) अपने किसी मित्र को छुट्टी के दिनों में अपने घर पर बुलाते हुए मित्र के नाम पर एक चिट्ठी लिखिए। (16 अंक)

02. (क) निम्नलिखित गद्यांश का सिंहली में अनुवाद कीजिए। (08 अंक)

गाय एक चौपाया जानवर है और वह पालतू जानवरों की श्रेणी में आती है। गाय को चार पैर, दो आँखें, एक नाक, दो सींग, दो कान, चार थन, एक बड़ा पेट और एक लंबी पूँछ होती हैं। गाय विभिन्न

रंगों की होती है, जैसे काली, सफेद, और भूरे आदि। गाय एक बहुत उपयोगी जानवर है। गाय को हिंदू लोग माता कहकर बुलाते हैं। गाय संसार के सभी देशों में पायी जाती है।

(ख) निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (08 अंक)

දිනිති - හලෝ, ශශී, මම දිනිති කතා කරන්නෙ. ඔයාට මේ වෙලාවෙ කතා කරන්න පුළුවන්ද?

ශශී - ඔව්, දිනිති, මම මේ වෙලාවෙ කුස්සියේ අම්මට උදව් කරන ගමන් ඉන්නෙ, ඒත් කමක් නෑ,

මට කතා කරන්න පුළුවන්. ඇයි, මොකද්ද ප්‍රශ්නෙ?

දිනිති - Thank you **ශශී, මම ලොකු ප්‍රශ්නෙක ඉන්නෙ, මම** A/L **වලට හින්දි කළේ නැනෙ, ඌත් හින්දි**

භාෂාවට මම ගොඩක් කැමතියි, කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලයේ exteral degree **එකට මම හින්දි විෂයක් විධියට තෝර ගත්තා, ඒත් මට හින්දි ඉගෙන ගන්න** tuition class **එකක් නෑ, ඔයා** A/L **වලට හින්දි කළානෙ, මට හින්දි** tuition class **එකක් ගැන කියන්න පුළුවන්ද?**

ශශී - මමත් external degree **එකට හින්දි කරනවා, ඒකට** tuition class **යන්න ඕනෙ නැහැ,**

විශ්වවිද්‍යාලයේ හින්දි අංශයේ ගුරුවරු අපට දැන් online **උගන්වනවා, ඒ ගොල්ලො ගොඩක් මහන්සි වෙලා අපට මුල ඉඳන් උගන්වනවා, ඔයාගෙ අවුරුද්දෙ** WhatsApp group **එකට** join **වෙන්න. සියලු තොරතුරු ලැබෙයි.**

දිනිති - ඇත්තද? ඒක නං ගොඩක් සතුටට කාරණයක්, කවුරු හරි මගේ number **එකට** link **එකක්**

එවලා තිබුණා, මම අදම join **වෙන්නම්. ඔයාට ගොඩක් ස්තුතියි.**

ශශී - you are welcome **ශශී, සුභ පැතුම්.**

උදව් කරනවා - मदद करना
ප්‍රශ්නය - समस्या
විෂයයක් විධියට - विषय के रूप में
තෝර ගන්නවා - चुनना / चुन लेना
ගැන, පිළිබඳ - के बारे में
මහන්සි වෙනවා - मेहनत करना
මුල ඉඳන් - शुरू से
එවනවා - भेजना
තොරතුරු - सूचनाएँ / खबरें

03. (क) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी में लिखिए। (08 अंक)

भारत देश शिव, पार्वती, कृष्ण, हनुमान, बुद्ध, महात्मा गाँधी, स्वामी विवेकानंद और कबीर जैसे महापुरुषों की धरती है। भारत एक समृद्ध देश है। जहाँ साहित्य, कला और विज्ञान के क्षेत्र में महान लोगों ने जन्म लिया जैसे रविंद्रनाथ टैगोर, सारा चंद्रा, प्रेमचंद्र, सी.वी. रमन, जगदीश चंद्र बोस, ए.पी. जे. अब्दुल कलाम, कबीरदास आदि।

भारत 'विविधता में एकता' का प्रतीक है। क्योंकि भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों के लोग आपस में भाईचारे से रहते हैं। भारत में 22 प्रकार की आधिकारिक भाषाएँ बोली जाती हैं। वहाँ हर धर्म, पंथ और समुदाय की अपनी अलग भाषा, पहनावा और रीति–रिवाज़ है। इतनी विभिन्नता में भी भारतीयता की डोर ने सभी को आपस में बाँध रखा है।

भारत एक पुरातन देश है, जहाँ की सभ्यता प्राचीन काल में ही शीर्ष पर थी। यह प्राचीन समय से ही ज्ञान और विज्ञान का केंद्र रहा है। भारत ने हमेशा ही वसुधैव कुटुंबकम का संदेश दिया जिसका अर्थ है यह संपूर्ण संसार ही मेरा घर है।

(i) भारत देश किन–किन महापुरुषों की धरती है?

(ii) भारत को 'विविधता में एकता' का प्रतीक क्यों कहा है?

(iii) भारत में कितने प्रकार की आधिकारिक भाषाएँ बोली जाती हैं?

(iv) प्राचीन समय से ही भारत किसका केंद्र रहा है?

(ख) पठित किसी कहानी का कथा–सार अपनी हिंदी में लिखिए। (08 अंक)

04. निम्नलिखित पद्यांशों में से **<u>किसी एक</u>** का **भावार्थ** लिखिए। (16 अंक)

(क) कही जीभ ने एक दिन, दाँतों से यह बात
"भाई तुम बत्तीस हो, अति कठोर है गात।
और अकेली मैं इधर, कोमल सरस शरीर,
चबा न जाना तुम कहीं, रहती सदा अधीर।।"

दाँतों ने हँसकर कहा–"बहन न हो भयभीत।
हुआ न होगा यह कभी, गाओ सुख के गीत।।
किंतु कहे सच तो बहन, हम तुमसे भयभीत।
जाने कब तुम छोड़ दो, मधुर वचन की रीत।।
बोल वचन कटु छिपोगी, तुम तो मेरी क्रोड़।
किंतु क्रोध में जाएगा, काई हमको तोड़।।

(ख) वह आता–

दो टूक कलेजे के करता, पछताता

पथ पर आता।

पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक,

चल रहा लकुटिया टेक,

मुट्टी भर दाने को–भूख मिटाने को

मुँह फटी पुरानी झोली को फैलाता–

दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।

साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाये,

बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,

और दाहिना दया दृष्टि पाने की ओर बढ़ाये।

भूख से सूख ओठ जब जाते

दाता–भाग्य विधाता से क्या पाते?

घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।

चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,

और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

05. (क) कपड़ों की दुकान में दुकानदार और खरीदनेवाली औरत के बीच होनेवाले वार्तालाप का निर्माण कीजिए। (16 अंक)

अथवा

(ख) रसोईघर में माँ और बेटी के बीच होनेवाले वार्तालाप का निर्माण कीजिए। (16 अंक)

,,,,,,,,,,,,,,,,,